

Rajamal Chaudhary  
P.O. PUTIARY EAST  
Calcutta 33.

सिद्धार्थ

[illegible][illegible][illegible][illegible]

ଆଧ୍ୟାୟ (କ) ନାମ, ଲାଗୁ, ମାଧ୍ୟମ ଓ ଶୁଦ୍ଧ ଶାସ୍ତ୍ର ବିଶେଷ । (କ) ନାମ, ଲାଗୁ



आधुनिक साहित्य, कला, संगीत, नाटक, नृत्य, अभिनय की समकालीन सृष्टि का संकलन-सम्पादन-प्रदर्शन •

मया-विषय एवं गीतों से आपका अभिप्राय परिचय नहीं है। आपने जीवन का विवरण आपने उस जीवन-वेग से देा ही है। (यहाँ होगा)। 'कानची' के विषय से उर्दू में सदाआय एसन कन्दो को परिचय था, हिन्दी में 'कानची' के परिचय है। (यहाँ को देखलियाँ) के अन्वयान नाया नम गिरोर वन का ही है (ह गये हैं!) आपने (गनीमिष उपन्यास लिखने पराधि - नहीं तो चहुँदेन (आचार्य), दुर्गदन, शीना/क गायल, मैनेन्द्र ('मयवर्धन' को आपने पढ़ा ही होगा), लक्ष्मी नाथय लाल ('रूपानीया' की सखीना को आपने ही 'कल्पना' में लिखी थी), आदि की गलतियाँ (याही है) है आपेंगी। केस, हिन्दी को व.कर्म आपने एक अपरन सि-एलेय की वरी सखीय है। कृपया इसे आप advice पम्पवन्ता नहीं जानेंगे, heartily request की प्रीमा कींगे।

व्या में एक काश्मीली किताब 'नदी बहती थी' आयी है। अगले पत्र में हाय देवा में भेजूंगा।

मन दिनें एक प्रकाशक के लिए अंग्रेजी में 'दूरीय विमर्शशास्त्र' (की किताब) का अमान विषय पढ़ा है। (है है) या एक वरी किताब लिख है। है, पत्र-परिभाओं में ने लिखने है। है पढ़ना है। कलकत्ते में (याही) (वर्ष है, केस वही साल है) मैने हिन्दी में लिखना की बहुत किता है। है। पत्नी है, दो साल की एक बच्ची है। कहीं गीतकी नहीं। मया है, मने का शब्द अवयव नहीं है।

आप मया लिख-पढ़ है है, दूरिय कींगे। अनुमान,

कलम १५/१२/५१.



# नव लेखन

हनुमान गंज ओपाल

दिनांक.....

प्रिय माई

बहुत दिनों से आपने नवलेखन को  
स्वना मेजने के लिये अमोघ्य घोषित कर  
दिया है। पर ऐसा बोल आपको नो विश्वास  
पास न करें और अपनी दोस्ती का रिश्ता  
फिर आन दें। नवलेखन का सातवां अंक  
निर्गम रहा है, आठवां प्रश्न में जा रहा है।  
अब से हम कहानियों की संख्या बढ़ाएंगे  
और थोड़ा बहुत पारिभाषिक भी देंगे। बहुत  
अलोक तो बही होगा - पर कुछ अवश्य  
कि शुरुवात हो। नवलेखन के लिये यह  
आह्वान कर रहे हैं। दाद दीलिया और शीघ्र  
वैली जी को खादी कहानी भेजें कि  
आइना देखें तो लिख अपना ही



मैं जतीसा कर रही हूँ कि कुछ शीघ्र  
 भेजेंगे। नवम्बर का लिखे जाऊँगी  
 निम्नलिखित जाति से उसके लिखे कुछ  
 सुआव भेजेंगे। आशा है उसका हो।

क्या सम्भव है उसकी जतीसा में

प्रसाद  
 शिरोशी

first fold here



NAME & ADDRESS

NO ENCLOSURES ALLOWED

INLAND LETTER

अन्तर्देशीय पत्र

श्री ओम प्रकाश दीपक  
 २८५२ शक्तिपुरा

दिल्ली

क.ब.ल.बा.बा. DELHI

~~क.ब.ल.बा.बा.~~ दिल्ली

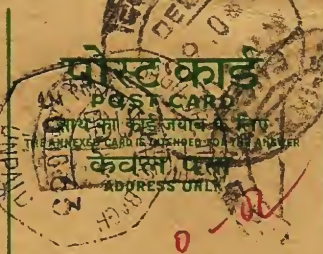


५ डीअर दीपक -

लेख दुरस्त कर दिया है जैसा तुम चाहते  
 थे। पत्र नहीं लिख पाया क्योंकि मुझ फंसा हूँ। इस  
 कर्टि दो भी पत्र न मालूम और शालियां देना ही।  
 दिवाली के बाद लिखेंगा। स संपादक की स्वतंत्रता नहीं  
 सह दोस्त की स्वतंत्रता है कि जवाब नहीं देता।  
 संपादक तो साले तुरंत उत्तर देते हैं। एकदमरी अपना  
 पत्र हूँ ... यों ... यों - दुपा बनार लो वंगोर ५



अभी वहाँ इसका संपादन  
 महेन्द्र कुलसेन के नाम  
 कुल तीन वाली नामों के  
 नाम प्राप्त हो चुके हैं।  
 दो इस बार वापस रही  
 है। 'मन्त्र' का निष्कर्ष  
 २० है। ओम्प्रकाश निर्मित  
 यहाँ माये से, यहाँ दूर से  
 थे। इसका नाम है ना।  
 नु. शिखरोवती



श्री ओम्प्रकाश दीपक  
 ८७४४ श्रीदीपुरा

नई दिल्ली - १





अन्तर्देशीय पत्र  
INLAND LETTER



8744/14 B. Shadipura  
Kerol Bagh  
New Delhi 3

तीसरा भाग Third fold

प्रेम करने वाले का नाम और पता :- Sender's name and address :-

Upendra Nalk-Asthe  
5 K.B. Road  
Allahabad

NO ENCLOSURES ALLOWED

यहाँ काट कर खोलिय To open cut here →

[illegible]